ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 14 मई 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 73

डॉक्टर के घर की टंकी में मिलाया जहरीला केमिकल : बाथरूम में हाथ धोने पर हुई जलन; अस्पताल में भर्ती बेटी के साथ थे पति-पत्नी

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

दौसा. दौसा में छत पर रखी टंकी में एसिड मिलाने का मामला सामने आया है। इसका पता चलने के बाद परिवार सहमा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं, पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे हैं। मामला शहर के भांकरी रोड के पास का है।

वेटनरी डॉक्टर गिरीश कुमार ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनी में उनका दो मंजिला मकान है। वह यहां अपनी पांच साल की बेटी और पत्नी के साथ रहते हैं। तीन दिन पहले अचानक उनकी बेटी की तबीयत खराब हो गई। जिसे 12 मई को शहर के कृष्णा अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इस दौरान वह पत्नी के साथ अस्पताल में ही रहे। सोमवार रात डॉक्टरों ने बेटी को डिस्चार्ज कर दिया। उसे लेकर वह 14 मई को सुबह घर चले आए।

टंकी में मिलाया गया जहरीला केमिकल बाथरूम में हाथ धोने पर हुई जलन

घर आने के बाद उन्होंने बाथरूम में हाथ धोए। हाथ धोते ही जलन होने लगी। ऐसे में उन्होंने छत पर रखी टंकी को देखा। इस दौरान उन्हें पता चला कि पानी कोई जहरीला केमिकल मिला हुआ है। साथ ही पानी से बदबू भी आ रही थी। टंकी के पास बिना स्टीकर की तीन बोतलें मिली हैं। जिनमें केमिकल लाया गया है।

तीन बोतलें मिली, सीसीटीवी कैमरों पर चिपका दिया टेप

इसके बाद उन्होंने छत पर लगे सीसीटीवी कैमरों को देखा। जिनके तार कटे हुए मिले और कैमरों पर टेप चिपका हुआ था। बिजली की लाइन भी कटी हुई मिली।

यह बात उन्होंने अपने परिवार के अन्य लोगों को बताई। जिससे हड़कंप मच गया। डॉक्टर के मकान से कुछ दूरी पर उनके भाई का मकान भी है। उन्होंने और उनके भाई ने पुलिस को सुचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बोतलों को कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने घटना स्थल का मौका मुआयना कर जांच शुरू कर दी है।

पंजाब के पूर्व मंत्री को लोकसभा चुनाव के लिए जमानत

पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट का आदेश, 6 जून को करेंगे सरेंडर

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

चंडीगढ़. करोड़ों रुपये के वन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्डरिंग केस में पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री व कांग्रेस के सीनियर नेता साधु सिंह धर्मसोत जेल से बाहर आएंगे। उन्हें पंजाब एंड हरियाणा कोर्ट से अतंरिम जमानत मिली है। उन्हें पांच जून तक जमानत मिली है। छह जून को उन्हें खुद सरेंडर करना होगा।

साधु सिंह धर्मसोत कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में से एक हैं। वह विधानसभा हलका नाभा के पूर्व विधायक हैं। यह हलका लोकसभा हलका पटियाला के अधीन आता है। 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। कैप्टन अमरिंदर कैबिनेट में मंत्री थे धर्मसोत

हालांकि साल 2017 में जब कांग्रेस की कैप्टन अमरिंदर सिंह की अगुवाई में सरकार बनी थी। उस समय साधु सिंह धर्मसोत को वन मंत्री बनाया गया था। वहीं, सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट भी

इनके पास था।

इसके बाद जैसे ही AAP सरकार आई तो विजिलेंस ब्यूरो ने इनके खिलाफ जांच शुरू की। साथ ही जांच में वन विभाग में करोड़ों रुपये का घोटाला सामने आया। इसके बाद सात जून 2022 को विजिलेंस ब्यूरो ने इन्हें गिरफ्तार कर लिया था। जबकि इसी एफआईआर को आधार बनाकर ईडी ने जांच की थी। ईडी की तरफ से इन्हें 16 जनवरी 2024 में गिरफ्तार किया था।

केजरीवाल की तरह मांगी थी जमानत

साधु सिंह धर्मसोत की तरफ से AAP सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल की तरह चुनाव प्रचार के लिए जमानत के लिए अर्जी दाखिल की गई थी। उनकी तरफ से दलील दी गई थी कि यह चुनाव पांच साल बाद होने हैं। ऐसे में उनका चुनाव प्रचार में शामिल होना जरूरी है। पटियाला हलके के नाभा और श्री फतेहगढ़ साहिब हलके के अमलोह एरिया उनका आधार है। अदालत की तरफ से सारे तथ्यों विचार करने के बाद जमानत दी गई।

शर्तों के साथ मिली है जमानत

अदालत ने उन्हें जमानत कुछ शर्तों के साथ दी हैं। उन्हें जमानत के लिए 50 हजार का बॉन्ड भरना होगा। साथ ही अदालत की अनुमति के बिना वह विदेश नहीं जा सकेंगे। मामले के गवाहों आदि से नहीं मिल पाएंगे। इस तरह की कुछ शर्तें अदालत की तरफ से लगाई गई हैं। जिनका उन्हें पालन करना होगा। उम्मीद है कि बॉन्ड भरने के बाद वह जेल से बाहर आ जाएंगे।

मोदी ने तीसरी बार वाराणसी से नामांकन किया:प्रस्तावकों के साथ खड़े रहे, डीएम ने बैठने के लिए कहा, तब कुर्सी पर बैठे

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

वाराणसी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार वाराणसी से नामांकन दाखिल कर दिया है। 4 प्रस्तावक और सीएम योगी उनके साथ मौजूद रहे। प्रस्तावकों में गणेश्वर शास्त्री, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा और संजय सोनकर शामिल रहे। गणेश्वर शास्त्री ने ही राम मंदिर का मुहूर्त निकाला था, जबकि अन्य तीन स्थानीय भाजपा नेता हैं।

पीएम नामांकन कक्ष में करीब 50 मिनट रहे। वह प्रस्तावकों के साथ कक्ष में खड़े रहे। जब डीएम ने उन्हें कुर्सी पर बैठने के लिए कहा, तब वह बैठे। पीएम ने शुभ मुहूर्त पुष्य नक्षत्र में 4 सेट में नामांकन दाखिल किया। गणेश्वर

शास्त्री ने बताया कि 11.40 से 12.15 तक शुभ मुहूर्त रहा। इसमें सारे ग्रह एक साथ होते हैं। नामांकन के दौरान पीएम ने डीएम के सामने खड़े होकर शपथ पत्र पढ़ा। कहा- मैं ईश्वर की शपथ लेता हूं। सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूं मैं विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखता हूं। मैं भारत की प्रभुता और अखंडता को अक्षुण रखूंगा।

वकालत का पेशा कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट के दायरे से बाहर:सुप्रीम कोर्ट बोला- वकीलों का काम दूसरों से अलग, सफलता पर उनका कंट्रोल नहीं होता

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वकालत का पेशा कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट 1986 के दायरे में नहीं आता है। उनके काम की सफलता कई फैक्टर्स पर निर्भर करती है, जिन पर उनका कंट्रोल नहीं होता। इसलिए, उनकी सेवाओं या पैरवी में कमी का दावा नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि वकीलों का काम दूसरे प्रोफेशन से अलग होता है। उन्हें हाई लेवल एजुकेशन, स्किल और मेंटल लेबर की जरूरत होती है। इसलिए, उनके साथ व्यवसायियों की तरह व्यवहार नहीं किया जा सकता है। खराब काम को लेकर उन पर कंज्यूमर कोर्ट में केस नहीं चलाया जा सकता। जस्टिस बेला त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की बेंच ने कहा कि वकीलों पर काफी हद तक उनके क्लाइंट का सीधा

कंट्रोल होता है। दोनों के बीच का कॉन्ट्रैक्ट पर्सनल सर्विस है। इसलिए, इसे कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट के तहत सर्विस की परिभाषा से बाहर रखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने NCDRC के फैसले को पलटा

सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट रिड्रेसल कमीशन (NCDRC) के 2007 के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि वकीलों की सेवाएं कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट 1986 की धारा 2 (ओ) के तहत आती हैं।

NCDRC के फैसले के खिलाफ बार काउंसिल ऑफ इंडिया, दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन और बार ऑफ इंडियन लॉयर्स और अन्य लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी।

चमत्कार : जयपुर में 23 महीने के बच्चे को लगाया 17.50 करोड़ का इंजेक्शन, अमेरिका से मंगवाया

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट जयपुर। यह चमत्कार जैसा है। जयपुर के जेके लोन हॉस्पिटल में आज एक बच्चे को 17.50 करोड़ रुपए का इंजेक्शन लगाया गया। रेयर डिजीज यूनिट के इंचार्ज डॉक्टर प्रियांशु माथुर और उनकी टीम ने 23 महीने बच्चे हृदयांश को यह इंजेक्शन लगाया। इसके लिए अमेरिका से खास तौर पर जोलगेनेस्मा इंजेक्शन मंगवाया गया था। हृदयांश स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी नामक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है। परिवार क्राउड फंडिंग के जरिए पैसे जुटाने जुटा रहा था। दैनिक भास्कर सहित कई मीडिया समूहों ने भी उसकी मदद की। जन्म के समय हृदयांश को किसी तरह की परेशानी नहीं थी। 6 महीने बाद पता चला कि वह खड़ा नहीं हो पा रहा है। इसके बाद बीमारी का पता चला। हृदयांश के माता-पिता नरेश शर्मा और शमा की शादी 7 साल पहले हुई थी। राजस्थान पुलिस के इंस्पेक्टर नरेश शर्मा के इससे पहलेएक बेटी भी है। जब परिवार को पता चला कि 17 करोड़ के इंजेक्शन से बेटे का इलाज हो सकता है तो पैरों तले जमीन सरक गई। इंजेक्शन खरीदने के लिए सोशल मीडिया पर सबने मिल कर जोरदार मुहिम चलाई जा रही है। भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर और सरफराज खान भी हृदयांश की जान बचाने के लिए अपील में आगे आ गए। भरतपुर सांसद रंजीता कोहली ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को आर्थिक सहायता देने के लिए पत्र लिखा था। राजस्थान सरकार में मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर इंजेक्शन उपलब्ध करवाने के लिए कहा था। बयाना विधायक डॉ. ऋतु बनावत ने अपने विधायक कोष से हृदयांश के परिजनों को 21 लाख रुपए देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा था।

भीमा-कोरेगांव केस में गौतम नवलखा को 4 साल बाद जमानत

SC बोला- सुनवाई में कई साल लगेंगे, हाउस अरेस्ट का खर्च 20 लाख चुकाना होगा

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (14 मई) को भीमा-कोरेगांव केस में महाराष्ट्र के एक्टिविस्ट गौतम नवलखा को जमानत दे दी है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने कहा- हाईकोर्ट के जमानत के ऑर्डर पर स्टे की अवधि बढ़ाने का हमें कोई कारण नजर नहीं आ रहा है। पूरे मामले की सुनवाई खत्म होने में तो कई साल बीत जाएंगे। कोर्ट ने कहा- गौतम नवलखा चार साल से ज्यादा समय से जेल में हैं। इनके खिलाफ अभी तक आरोप तय नहीं किए गए हैं। दरअसल, नवलखा पर 2017 में पुणे में एल्गार परिषद के आयोजित कार्यक्रम में भड़काऊ भाषण देने का आरोप है। इसके कारण ही भीमा-कोरेगांव में हिंसा हुई थी। हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हुई थी, जबकि कई घायल हुए थे। इस मामले

में नवलखा को बॉम्बे हाईकोर्ट ने जमानत दी थी, जिसके खिलाफ NIA ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर स्टे लगा दिया था। मंगलवार को जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा- पूरे मामले पर विस्तार से चर्चा किए बिना हाईकोर्ट के फैसले पर स्टे लगाने का कोई औचित्य नहीं है। नवलखा को जमानत दी जाती है, लेकिन उन्हें हाउस अरेस्ट के दौरान मिली सुरक्षा के लिए 20 लाख रुपए चुकाने होंगे।

रामदेव-बालकृष्ण अवमानना केस पर फैसला सुरक्षित:IMA चीफ ने कोर्ट से माफी मांगी, बेंच ने कहा- सोफे पर बैठकर कुछ भी नहीं बोल सकते

नई दिल्ली. भ्रामक विज्ञापन केस में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को योग गुरु रामदेव, आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद को भेजे अवमानना नोटिस पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। साथ ही दोनों को व्यक्तिगत पेशी से छूट दी है। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने पतंजलि आयुर्वेद को एफिडेविट फाइल करने के लिए 3 हफ्ते का वक्त दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एफिडेविट में यह बताएं कि जिन प्रोडक्ट्स का लाइसेंस कैंसिल कर दिया गया है, उनका विज्ञापन वापस लेने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। बेंच ने कहा- बाबा रामदेव का बहुत प्रभाव है, इसका सही तरीके से इस्तेमाल करें। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- रामदेव ने योग के लिए बहुत कुछ किया है। इस पर जस्टिस हिमा कोहली बोलीं- उन्होंने योग के लिए जो किया है वह अच्छा है, लेकिन पतंजलि प्रोडक्ट्स एक अलग मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) के प्रेसिडेंट डॉ. आरवी अशोकन से कहा- अभिव्यक्ति की आजादी ठीक है, लेकिन कभी-कभी इंसान को संयमित भी होना पड़ता है।

सम्पादकीय - भ्रम का जाल

स्वतंत्र लेखक

कुछ दिन प ह ले भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद यानी आइसीएमआर की आनुषंगिक संस्था राष्ट्रीय पोषण संस्थान ने अपने एक अध्ययन में बताया था कि जीवन शैली संबंधी आधी से अधिक बीमारियां खानपान में गड़बड़ी की वजह से होती हैं। अब उसी क्रम में आइसीएमआर ने लोगों को आगाह करते हुए कहा है कि डिब्बाबंद खाद्य पदायों के ऊपर लिखी जानकारियां भ्रामक हो सकती हैं। इसलिए उनके चुनाव में सावधानी बरतनी चाहिए। उसने चकायदा उदाहरण देकर समझाया है कि फलों के रस के नाम पर बिकने वाले पेय में दस फीसद ही फलों का अंश हो सकता है, बाकी शर्करा हो सकती है। ऐसे अनेक खाद्य पदाबों के डिब्बों पर भ्रामक दावे लिखे मिल सकते हैं कि उनका उपयोग सेहत के लिए अच्छा है। निश्चय ही आइसीएमआर के इस सुझाव से लोगों में कुछ जागरूकता पैदा हो सकती है। मगर सवाल है कि जब यह बात खुद आइसीएमआर जैसी स्वास्थ्य से जुड़ी शीर्ष संस्था को पत्ता है कि भ्रामक जानकारियों के साथ डिल्याबंद खाद्य पदार्थ बाजार में बेचे जा रहे हैं, तो इसके प्रति वह केवल उपभोक्ता को जागरूक बना कर इस समस्या से पार पा लेने का कैसे भरोसा कर सकती है। लंबे समय से इस बात पर चिंता जताई जा रही है कि डिब्बाबंद और तुरंता आहार खासकर बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल रहे हैं। इनके चलते मोटापा, मधुमेह, हृदयरोग जैसी अनेक बीमारियां पैदा हो रही हैं। फिर भी हैरानी की बात है कि ऐसे खाद्य पदार्थों के जोखिम खुद उपभोक्ता के कंधे पर डाल कर जिम्मेदारी से मुक्ति पा लेने की कोशिश की जा रही है। कुछ दशक पहले जब हिच्याबंद खाद्य और पेय पदार्थों में हानिकारक तत्त्व मिले होने को लेकर सवाल उठने शुरू हुए थे, तब सरकार ने ऐसे उत्पाद की गुणवत्ता पर नजर रखने और कंपनियों को जवाबदेह बनाने की गरज से भारत खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसआइ का गठन किया था। यह नियम बना कि एफएसएसआइ से प्रमाणपत्र प्राप्त किए बिना कोई भी डिब्बाबंद या पैकेट वाला खाद्य पदार्थ बाजार में नहीं उतारा जा सकता। बाजार में उपलब्ध इस तरह के हर खाद्य पदार्थ की थैली या डिब्बे पर इस प्रमाणपत्र का उल्लेख होता है। मगर इसके बावजूद उनमें हानिकारक पदार्थों का इस्तेमाल और भ्रामक दावे बंद नहीं हो पा रहे हैं , तो इस बारे में नए सिरे से सोचने की जरूरत है। आइसीएमआर ने तो डिब्बों पर लिखे विवरण जांच कर ही खाद्य पदार्थ खरीदने की सलाह जारी कर दी है, मगर सवाल है कि ऐसा कितने लोग कर पाते हैं और कर पाएंगे। खाद्य पदार्थों की थैलियों और डिब्बों पर अव्वल तो विवरण इतने महीन अक्षरों में लिखे होते हैं कि उन्हें पढ़ना मुश्किल होता है। ज्यादातर विवरण अंग्रेजी में होते हैं। कितने लोग अंग्रेजी पढ़ पाते हैं। दूर- दराज गांवों के लोगों के लिए तो वह विवरण काला अक्षर भैंस बराबर ही होता है। फिर, ऐसे पदार्थों के उपभोक्ता ज्यादातर बच्चे, किशोर और युवा होते हैं। उनकी जीभ पर अब ऐसी चीजों का स्वाद इस कदर चढ़ चुका है कि वे विवरण बांच कर उन्हें खरीदते ही नहीं। ऐसे में जिम्मेदारी आखिरकार स्वास्थ्य और खाद्य से जुड़ी संस्थाओं की है कि वे ऐसे खाद्य पदार्थों के उत्पादन पर ही अंकुश लगाने का कोई उपाय तलाश करें, जिनसे लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है।

फिर अव्वल

गर बुजुर्गों की आबादी का एक बड़ा हिस्सा किन्हीं वजहों से अपना इलाज नहीं करा पाता, तो यह समाज और व्यवस्था की एक बड़ी नाकामी है। गौरतलब है कि अ एक गैरसरकारी संगठन के अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है कि शहरी इलाकों के लगभग पचास फीसद बुजुर्ग आर्थिक मुश्किलों और कई अन्य तरह की चुनौतियों के चलते जरूरत के वक्त चिकित्सकों के पास नहीं जा पाते हैं। ग्रामीण इलाकों में यह समस्या ज्यादा व्यापक है। वहां बुजुर्ग आबादी के बासठ फीसद से ज्यादा के सामने आर्थिक और अन्य बाधाएं खड़ी हैं, जिनके चलते उन्हें बीमारी में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आमतौर पर साठ वर्ष की उम्र के बाद व्यक्ति को सेवानिवृत्ति की वजह से आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जबकि इसी उम्र में उन्हें सेहत संबंधी देखभाल की ज्यादा जरूरत पड़ती है। ऐसे में अगर स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हों तो उनका जीवन कुछ आसान हो सकता है। मगर कई बार पारिवारिक उपेक्षा के शिकार बुजुर्गों को सरकार की ओर से भी सामाजिक सुरक्षा के रूप में कोई विशेष सुविधा नहीं मिल पाती है। वहीं देश के कई इलाकों में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव और आर्थिक स्थिति से जुड़ी समस्याएं जगजाहिर रही हैं। यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि आज वृद्धावस्था में पेंशन या अन्य सामाजिक सुरक्षा के अभाव में दैनिक खर्च और स्वास्थ्य देखभाल पर खर्च में भारी उछाल आया है। इसके अलावा, स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में ज्यादा उम्र वालों के लिए अब तक जो शर्तें रही हैं, वे स्वास्थ्य सुविधाओं तक उनकी पहुंच को मुश्किल बनाती हैं। आए दिन ऐसी खबरें आती रहती हैं कि किसी वृद्ध व्यक्ति के बीमार पड़ने पर उचित इलाज न मिल पाने से उसकी जान चली गई। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि आमतौर पर हर बुजुर्ग अपने बाद की उस पीढ़ी को बेहतर जीवन देने के लिए अपनी जिंदगी झोंक देता है, जो अपने परिवार साथ-साथ समाज और देश के लिए एक उपयोगी संसाधन बनता है। सवाल है कि बुजुर्गों की अपनी संतानें और सत्ता-तंत्र उसके स्वास्थ्य और संतोषजनक जीवन के लिए उचित व्यवस्था करने के प्रति उदासीन क्यों रहता है।

एसपी साहब! ये क्या हो रहा है

शराब व्यवसायी गोगुंदा थानाधिकारी पर लगा रहे गंभीर आरोप, बोल रहे हम व्यापारी हैं गुंडे नहीं, थानेदार ने धंधा चौपट कर दिया, 40 लाख के नीचे आ गए, चाबी ले लो, दुकान बंद करवा दो

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। गोगुंदा थाना सर्कल में एक व्यवसायी ने मदिरा की जा दुकानें लगाई उसको अब चलाना मुश्किल हो गया है। कारण है गोगुन्दा थानाधिकारी शैतानसिंह नाथावत का दखल जिससे वो तंग आ चुके हैं। रोज अलग-अलग बहानों से कार्रवाई हो रही है। आज एसपी, कलेक्टर, संभागीय आयुक्त, आबकारी कमिश्नर को दिए ज्ञापन में आरोप लगाया कि दखलंदाजी और बार-बार बिना वजह के कार्रवाई से वे तंग आ चुके हैं। व्यवसाय करना मुश्किल होता जा रहा है। या तो राहत दिलाएं या फिर दुकानों की चाबी रख लें। हेमंत चौधरी ने मीडिया को बताया कि गोगुन्दा थाना सर्कल में तीन मदिरा दुकानें आती है, जो वे नियमानुसार संचालित करते है। साथ ही गोदामों के विभाग स्वीकृत लोकेशन होकर नियमानुसार संचालित हैं। पिछले चार-पाँच महीने से गोगुन्दा थानाधिकारी द्वारा परेशान किया जा रहा है। बार-बार उनकी ही दुकानों को टारगेट किया जा रहा है, परमिट की गाडियो को पकडकर अवैध बताकर केस बनाये जा रहे हैं और हमारे परमिट बताने पर बोला जाता है कि वैध है तो कोर्ट से छुडवा देना। साथ ही परमिट को अवैध बताकर मुकदमा दर्ज किया गया जबकि उनके पास लाइसेंस है। वहाँ पर भी थानाधिकारी द्वारा ग्राहकों को एक बोतल या पव्वा लेकर जाने पर भी दुकान के बाहर पुलिस की गाडी लगाकर उठाकर थाने ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 50 रूपए वाले ग्राहकों से 2-2 हजार रूपए वसूले जा रहे हैं। दुकान में घुसकर सेल्समेन को धमकाते हैं। बीस दिन पूर्व में गोदाम जसवन्तगढ पर लोकेशन होने के बावजूद सारी मदिरा दुकान से उठाकर थाने लाकर मुकदमा दर्ज कर दिया। इस पर माननीय न्यायालय ने उक्त जब्त मदिरा को वैध बताते हुए सम्पूर्ण मदिरा को छोडने का आदेश दिया व न्यायालय द्वारा वैध मदिरा को लाने पर थानाधिकारी को फटाकर लगायी। इससे नाराज होकर कल 13 मई को दुकान के अन्दर घुसकर सेल्समेन को धमकाया और सभी दुकानों व गोदामों के बाहर पुलिस जवान बैठा दिये गये हैं, उन्होंने इसका फोटो भी ज्ञापन के साथ लगाया। धमकाया कि आगे तुम लोग यहां दुकान नहीं चला पाओगे। जबकि उनके पास आठ करोड गारण्टी की दुकाने हैं। अधिकारियों से निवेदन किया गया कि इस हालत में दुकानों को चलाने में अमसर्थ हैं अगर मदद नहीं की गई तो आज ही सभी मदिरा दुकानों को छोडने के लिए तैयार हैं, और सरकारी राजस्व पर प्रभाव पडता है तो उसके जिम्मेदार थानाधिकारी गोगुन्दा शैतानसिंह नाथावत रहेगें।

संकल्प की हुई सिद्धि, रेखा सुखलेचा का देहदान, आनएनटी मेडिकल कॉलेज में गूंजा-अरिहंत नाम संग है

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। एक ऐसा परिवार जिसने अब तक 300 से अधिक देहदान संकल्प भरवाए है। अब तक 31 देहदान करवाए है। कई रक्तदान शिविर लगाए, हजारों नेत्रदान करवाए, अब अंगदान की तरफ अग्रसर है। आज उसी सुखलेचा परिवार की ओर से रेखा सुखलेचा धर्मपत्नी विंग कमांडर डॉक्टर पुखराज सुखलेचा का देहदान उदयपुर के आरएनी मेडिकल कॉलेज को करवाया गया। 12 मई को स्वर्गवास होने से उनकी इच्छा अनुसार मंगलवार को आरएनटी मेडिसिन कॉलेज उदयपुर में देहदान किया गया। सुखलेचा परिवार का यह 9वां देहदान है। देहदान से पूर्व रेखा सुखलेचा की मोक्ष रथ में अंतिम यात्रा निकल गई जो निवास स्थान 701 स्वास्तिक हाइट्स न्यू आरटीओ उदयपुर से आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर पहुंची। जिसमें सैकड़ो समाज और शामिल हुए। समाज जनों की उपस्थिति में आरएनटी मेडिकल कॉलेज में आवश्यक कार्यवाही करने के बाद परिजनों की उपस्थिति में उनका देहदान किया गया। सुखलेचा परिवार की ओर से चलाए जा रहे श्रीराम सुखलेचा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से अब तक यह 9वां देहदान एवं ट्रस्ट का 31वां देहदान एवं करीब से 300 से भी अधिक देहदान संकाय पत्र आएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर एवं बंगलुरु में भरवाए गए हैं। सुखलेंचा परिवारके सदस्य डॉक्टर विंग कमांडर पुखराज सुखलेचा की धर्मपत्नी रेखा सुखलेचा का 12 मई को स्वर्गवास हो गया। इनके एवं परिवारजन के इच्छा अनुसार उनका आरएनटी मेडिकल कालेज उदयपुर में 14 मई को देहदान किया गया। रेखा सुखलेचा,उनके पति डॉक्टर विंग कमांडर पुखराज सुखलेचा, ससुर एवं सास लच्छीराम सुखलेचा एवं हंजाबाई सुखलेचा ने 2010 एवं 2023 में देहदान किया था। इसी प्रकार उनके पिताजी मोहनलाल कोठारी एवं माता कोयल बाई कोठारी ने भी देहदान किया था। रेखा के एक पुत्र डॉक्टर चारु सुखलेचा का जो लंदन में है एवं उनकी पत्नी इंजीनियर वीनू सुखलेचा एवं पुत्री डॉक्टर रेनू कोठारी एवं दामाद सुनील कोठारी है। इनके एक पौत्रा एक पौत्री एवं एक दोहित्र एक जेठ एवं चार देवर एवं कुल 100 से अधिक परिवारजन का भरा पूरा परिवार है।

नाले में गिरी गाय, जेसीबी की मदद से निकाला, लोगों में आक्रोश, लगाया जाम

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, चित्तौड़-गढ़। चित्तौड़गढ़ में नगर परिषद की लापरवाही के चलते खुले नाले हादसों को निमंत्रण दे रहे हैं। बूंदी मार्ग नाडोलिया के पास आज खुले नाले में एक गाय गिर गई। गाय को देख लोग परेशान हो गए। कड़ी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकला जा सका। इस दौरान मौके पर क्षेत्र वासियों ने जाम लगा दिया। वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। लोगों का कहना थ कि शहर में नगर परिषद की लापरवाही के चलते कई जगह सफाई नहीं हो रही हैं। खुले नाले दुर्घटनाओं को निमंत्रण दे रहे हैं इन नालों में मवेशियों की मौत हो रही है। कई बार बच्चे भी गिर गए उसके बावजूद बरसों से नालों को बंद नहीं किया गया हैं बूंदी मार्ग पर गाय गिर जाने के बाद क्षेत्रवासी मौके पर एकत्रित हो गए तथा उन्होंने जाम लगा दिया। बाद में जेसीबी की मदद से तथा क्षेत्र वासियों ने कड़ी मशक्कत कर गाय को बाहर निकाला। लोगों में भारी आक्रोश देखा गया। उन्होंने नगर परिषद व जिला प्रशासन को चेतावनी दी है कि जल्द ही नालो को बंद नहीं किया गया तो क्षेत्रवासी आंदोलन पर मजबूर होंगे। लगभग एक घंटे तक प्रदर्शन के बाद स्थित सामान्य हुई।

एक प्रण, 1000 परिण्डे, अपनों का साथ और लाखों दुआएं

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल भाजपा की महामंत्री नीतू गुप्ता ने भीषण गर्मी को देखते हुए ठान लिया कि कुछ भी हो जाए 1 हजार परिण्डे लगाने हैं। बस फिर क्या था, परिजनों और पार्टी के वरिष्ठों का साथ मिला और देखत ही देखते आधे घंटे में 1 हजार परिण्डों का भारत माता की जय के जयघोष के बीच वितरण हो गया। सूरजपोल चौराहा पर हुए कार्यक्रम में शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, डिप्टी मेयर पारस सिंघवी, भाजपा नेता प्रमोद सामर, अग्रवाल समाज से प्रकाश अग्रवाल, रविन्द्र अग्रवाल अध्यक्ष हिरणमगरी अग्रवाल समाज, मुकेश गुप्ता सहित पार्षदगण भी मौजूद थे। सबने सेवा के इस संकल्प की खूब सराहना की और आगे प्याउ लगाने का संकल्प जताया। विधायक ताराचंद जैन ने कहा कि भीषण गर्मी में ऐसा सेवा संकल्प बहुत सराहनीय है। पारस सिंघवी ने कहा कि यह प्रयास निश्चित रूप से अनुकरणयी व सराहनीय है। प्यासे पंछियों को पानी पिलाने से बडा कोई पुण्य नहीं है।

नमकीन छाछ पिलाकर दिलाई पानी की बूंद-बूंद बचाने की शपथ

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। भारतीय लायंस परिसंघ की ओर सेएमबी चिकित्सालय में निःशुल्क छाछ वितरण की गई। दूसरे दिन सैकड़ों लोगों ने मसाला छाछ का सेवन किया। परिसंघ के मुख्य संरक्षक इंदर सिंह मेहता ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता उदयपुर चैप्टर आई बैंक के अध्यक्ष सूरजमल पोरवाल ने की। परिसंघ अध्यक्ष रंजना मेहता ने बताया कि शहर के वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर मनोज आंचलिया की ओर से लिखे पानी की एक-एक बूंद कीमती है जल है तो कल है घर पर गाड़ी धोने पोमेरेनियन को नहलाने में पानी के महत्व को समझे बुजुर्गों ने जल को तीर्थ की संज्ञा दी है क्या बैंक लॉकर में पानी की बोतल रखने का समय आ गया है टूथपेस्ट करते वक्त बेसिन का नल खुला ना रखें प्रति सेकंड पानी की एक-एक बूंद टपकने का अर्थ एक दिन में 17 लीटर पानी का व्यर्थ बह जाना है जैसे उपयोगी रंग-बिरंगे स्केच पेन से लिखे गए स्लोगन को परिसंघ के पदाधिकारी चेतन जानी सुधीर जानी विजय सेठिया नरेंद्र कौर प्रणिता तलेसरा डोली मोगा पुष्पा टॉक अमित जैन इंद्रजीत सिंह डॉक्टर शर्मिला बंसल मनोज आचलिया ने छाछ पीने वालों से पानी की एक-एक बूंद बचाने की शपथ दिलाई।

बधाई हो, पुलिस की गुगली पर एक और पगबाधा, अबकी बार हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदय-पुर। पुलिस पकडने जाती है और अचानक ना जाने क्या हो जाता है कि अपराधी भागते हुए अपनी टांग तुड़वा बैठता है। संयोग या प्रयोग। या फिर खौफ में हर बार एक जैसी घटना होती है। आज भी थाना बेकरिया में जिला पुलिस अधीक्षक, उदयपुरयो-गेश गोयल के निर्देशानुसार गोपाल स्वरूप मेवाडा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण व राजेन्द्र सिंह राठौड वृताधिकारी वृत कोटडा के सुपरविजन में धनपत सिंह थानाधिकारी, बेकरिया मय टीम द्वारा आसूचना व तकनीकी सहयोग से प्रकरण मारपीट के मामले में थाना बेकरिया के हिस्ट्रीशीटर दशरथ पिता शंकरलाल को गिरफ्तार किया गया। बताया गया कि शराब के ठेके के पास हिस्ट्रीशीटर दशरथ को पकडने पहुंची। हिस्ट्रीशीटर दशरथ पुलिस टीम को देखकर पुलिया से नीचे पत्थरों पर कूद गया, जिससे उसके बाये पांव में गंभीर चोट आयी। जिसे 108 एम्बुलेन्स बुलाकर प्राथमिक उपचार हेतु सीएचसी बेकरिया व सीएचसी बेकरिया से गंभीर चोट होने से एमबी-जीएच उदयपुर रवाना किया गया। कलएमबीजीएच उदयपुर से बाद प्राथमिक उपचार के प्रकरण सख्या 73/2024 में हिस्ट्रीशीटर दशरथ गरासिया को वांछित होने से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के खिलाफ मारपीट, चोरी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट, हत्या का प्रयास, आदि मामलों में प्रकरण दर्ज है। अभियुक्त के थाना कोतवाली, जैस-लमेर व थाना पिण्डवाडा (सिरोही) में भी प्रकरण दर्ज है। पुलिस टीम में धनपत सिंह थानाधिकारी, बेकरिया, कालुलाल हैड कानि, धर्मी लाल है कानि, मांगाराम कानि, हेमन्त कानि., हंसराज कानि, पुष्कर कानि, हिमांशु कानि. आदि शामिल थे।

जयपुर सीरियल ब्लास्ट केस में नाबालिग आरोपी को सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट. जयपुर। जयपुर में 13 मई 2008 को हुए सीरियल ब्लास्ट के दौरान जिंदा बम रखने के मामले में ज्यूडिशियल कस्टडी में चल रहे नाबालिग आरोपी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को शर्तों के साथ जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूरे मामले की सुनवाई कर रहे किशोर न्याय बोर्ड को तीन महीने में सुनवाई पूरी करने के आदेश दिए। आरोपी की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ये आदेश दिए हैं। आरोपी ने घटना के समय खुद को नाबालिग बताया था। किसी किशोर को 3 साल से ज्यादा जेल में नहीं रखा जा सकता, इसी बिंदु पर जमानत दी गई है। जमानत पर शर्तें लगाई है। राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा के अनुसार नाबालिग आरोपी को सशर्त जमानत दी गई है, अगर शर्तों का पालन नहीं किया तो सुप्रीम कोर्ट जमानत रद्द कर सकता है। नाबालिग आरोपी को रोज सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एटीएस के दफ्तर में हाजिरी देनी होगी। नाबालिग आरोपी को पासपोर्ट जेल अफसरों के पास जमा करवाना होगा। बिना अनुमति विदेश यात्रा नहीं कर सकेगा। नाबालिग आरोपी को किसी भी गैर कानूनी संगठन में शामिल नहीं होने की शर्त लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी शर्त लगाई है कि अगर वह किसी भी गैर कानूनी संगठन के व्यक्ति से संपर्क में भी रहा या गैर कानूनी काम में शामिल हुआ तो जमानत रद्द हो जाएगी और फिर से गिरफ्तार किया जा सकता है। जमानत का विरोध करते हुए अतिरिक्त महा-धिवक्ता (एएजी) शर्मा ने तर्क दिया कि युवक पर गंभीर आरोप है, वह ब्लास्ट का आरोपी है और इंडियन मुजाहिदीन का सक्रिय मेंबर रहा है। अहमदाबाद में हुए बम धमाकों भी वह शामिल रहा। इसे रिहा करने पर समाज में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जाए। आज की सुनवाई में एएजी ने जमानत देने पर आरोपी पर कुछ शर्तें लगाने की मांग की, इस पर कोर्ट ने इन शर्तों के साथ आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए।

सनसनीखेज खुलासा : मदारी निकले किडनैपर, 4 साल के बच्चे को बनाना चाहते थे जमूरा, 10 साल पहले किडनैप किया बच्चा भी मिला, पुलिस ने 470 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तब मिली लीड

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। कोटा से जालखेडा, कैथून (कोटा) निवासी एक पिता बेटे के साथ 5 मई को कोटा रेलवे स्टेशन गए थे। आगरा फोर्ट ट्रेन से फि-रोजाबाद जाना था। टिकट लेने लाइन में लगे और बेटा पास ही चेयर पर बैठा था। रात करीब 9:30 बजे की बात होगी। पिता टिकट लेकर आए तो बेटा गायब था। खूब तलाश की, लेकिन बच्चा नहीं मिला। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज देखे तो दो युवक बच्चे को ले जाते दिखे। 5 मई को कोटा रेलवे स्टेशन से शुरू हुई तलाश अब जाकर खत्म हुई। किडनैप हुए बच्चे को जयपुर की जीआरपी पुलिस ने बरामद कर लिया है। पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है जो भिवाड़ी (हरियाणा) के रहने वाले हैं। ये लोग बच्चे को मदारी का जमूरा बनाना चाहते थे। एडीजी जीआरपी अनिल पालीवाल ने बताया कि बच्चा चोरी के आरोपी मदारी का खेल दिखाते हैं। उनको खेल के लिए जमूरा चाहिए था। कोटा से बच्चे को किडनैप कर भोपाल ले गए। भोपाल से जयपुर आ गए। पुलिस लगातार पीछा करते हुए उन तक पहुंच गई। जयपुर के विद्याधर नगर इलाके सेपांचों आरोपी को पकडा गया है। आपको बता दें कि 5 मई को कोटा रेलवे स्टेशन से बच्चे का किडनैप हुआ था। उसके बाद पुलिस ने 470 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तब जाकर पहली लीड मिली। बच्चे को किडनैप करने वाले मुकेश मदारी, कर्ण मदारी, अर्जुन मदारी, प्रेम मदारी और लज्जो को गिरफ्तार किया। एक और खास बात यह सामने आई कि जयपुर पुलिस को आरोपियों के पास एक अन्य बच्चा भी मिला है। उसे 10 साल पहले किडनैप किया गया था। इस बच्चे से आरोपी भीख मंगवाते थे। जमूरा बनाकर काम करवाते थे। गिरफ्तार आरोपियों में एक महिला भी शामिल है।

कैरम खेलते वक्त बना था दुष्कर्मी और पोर्न के शौकीन मौलाना की हत्या का दृश्यम् जैसा प्लान

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। अजमेर में मौलाना मोहम्मद माहिर की हत्या का राजफाश हो चुका हैं। इसमें मौलाना के साथ रह रहे 6 बच्चे शामिल थे जिन्होंने दृश्यम फिल्म जैसा फुल प्रूफ प्लान बनाया था। सबके साथ मौलाना ने गलत कुकर्म किया था जिससे वे तंग आए थे। सब एक दिन कैरम खेल रहे थे और एक बच्चे की व्यथा सुनकर सबने अपनी साथ हुई गलत काम की कहानी दोहराई। उसके बाद खेल-खेल में बन गया मौलाना की हत्या का प्लान। ऐसा प्लान जिसे सुन कर पुलिस वाले भी दंग हैं। बार-बार पूछताछ में भी बच्चे नहीं टूटे लेकिन अलग-अलग पूछताछ में एक नाबालिग बच्चा टूट गया और पूरी कहानी कह दी। 6 नाबालिगों ने पुलिस से बचने के लिए झूठी कहानी बनाई और हर नाबालिग ने पुलिस पूछताछ में वही कहानी दोहराई- '8 बजे मौलाना बाहर गए थे, 10 बजे वापस लौटे, 2 बजे 3 नकाबपोश मस्जिद में आए और मौलाना को मार कर पीछे की दीवार कूद कर भाग गए।' आपको बता दें कि 26 अप्रैल की रात मौलाना मोहम्मद माहिर की लाश मस्जिद में बने इस कमरे में मिली थी। बच्चे भी मौलाना के साथ ही सोते थे। अजमेर के रामगंज स्थित दौराई कंचन नगर स्थित मोहम्मदी मदीना मस्जिद में 26 अप्रैल रात को मौलाना की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने बच्चों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया- कि रात करीब 2 बजे तीन नकाबपोश बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने उनको धमकाते हुए कहा था- चिल्लाए तो तुम्हें भी जान से मार देंगे। इसके बाद कमरे से बाहर निकाल दिया। 26 अप्रैल के बाद 8 मई तक पुलिस जांच करती रही। जिस दीवार को पार कर अपराधियों के जाने की बच्चे बात कर रहे थे वह 8 फीट की थी। इससे कूदकर जाना संभव नहीं था। ऐसे में अजमेर के मदीना मस्जिद के 10 किमी के इलाके के 300 से अधिक सीसीटीवी खंगाले गए। सघ् 50 संदिग्धों से पूछताछ की गई मगर हाथ कुछ नहीं आया। इस पर शक की सूई एक बार फिर बच्चों की तरफ चली गई। 11 दिन बाद बच्चों को फिर से बुलाया गया। बच्चों को अलग-अलग जगहों पर भेज दिया गया व अलग अलग पूछताछ की गई। मगर सभी बच्चों ने एक जैसी कहानी बताई। रात को 2 बजे काले कपड़ों में अचानक 3 नकाबपोश आए और मौलाना के सिर पर डंडों से वार कर उनकी हत्या कर दी। काउंसलिंग करते हुए मौलाना के साथ यूपी से आए नाबालिग से पूछताछ की तो वो टूट गया और उसने पूरी कहानी कह दी। पूछताछ में उसने बताया कि मौलाना उसे वारदात से 1 दिन पहले 25 अप्रैल को ही अपने साथ लाया था। रात को बच्चे के साथ कुकर्म करने का दबाव बनाया। इसके बाद बच्चे ने धमकी दी कि अगर उसने ऐसा किया तो वह चिल्ला कर सबको जगा देगा। मौलाना ने किसी को ना बताने के लिए उसे रुपयों का लालच दिया। बच्चों की जब आपस में बातचीत हुई तो उसने अन्य 5 बच्चों को अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि ढाई साल से मौलाना उनका शारीरिक शोषण कर रहा है। इसके बाद सभी ने कैरम खेलते हुए एक राय बनाई कि मौलाना की हत्या करनी है। बच्चों ने बताया- पहले हमने मेडिकल से चूहे मारने की दवा खरीदी थी। लेकिन, आपस में चर्चा की तो लगा कि कहीं अगर मौलाना पर फर्क नहीं पड़ा तो मुश्किल हो जाएगी। इसके बाद नींद की दवा लेकर आए। बच्चों ने रायता बनाया और जब मौलाना लौटा तो उसे पीने के लिए कहा। मौलाना ने एक बार तो मना कर दिया। लेकिन, बच्चों ने आग्रह किया कि हमने खास आपके लिए बनाया है। मौलाना ने बूंदी का रायता पी लिया। कुछ ही देर बाद मौलाना का जी मिचलाने लगा तो उसने अपने किसी साथी से बाहर से कोल्ड ड्रिंक मंगवाकर पी थी। इसके बाद वो सो गया। उसके सोने के बाद बच्चों ने डंडे से सिर पर वार किया। जैसे ही मौलाना उठने की कोशिश करने लगा तो बच्चों ने रस्सी उसके गले में डालकर उसे तक नहीं छोड़ा जब तक मौलाना की जान नहीं निकल गई। पुलिस ने बच्चों की निशानदेही पर मौलाना का मोबाइल और हत्या के इस्तेमाल की गई रस्सी को पीछे बाड़े से ही जब्त किया। प्रारंभिक जांच में पुलिस को मौलाना के मोबाइल से कई सारे अश्लील वीडियो बरामद हुए हैं। इसके साथ गूगल और यूट्यूब पर भी अश्लील वीडियो देखने की सर्च हिस्ट्री बरामद हुई है।

रेडिएंट एकेडमी ने 10 वीं व 12 वीं मे उत्कृष्ट

परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का किया सम्मान!

24 न्यूज अपडेट

द रेडिएंट एकडमी, उदयपुर के होनहार विद्यार्थियों द्वारा सीबी-एसई 12वीं कक्षा एवं 10 वीं कक्षा बोर्ड परीक्षा उत्कर्ष परिमाण प्राप्त किया। 12वीं कक्षा में सर्वाधिक 95 प्रतिशत से ज्यादा 12 विद्यार्थियों ने अंक प्राप्त किये व सर्वाधिक 90 प्रतिशत से ज्यादा 81 विद्यार्थियों ने अंक प्राप्त किये व 10वीं कक्षा में सर्वाधिक 95 प्रतिशत से ज्यादा 5 विद्यार्थियों ने अंक प्राप्त किये व सर्वाधिक 90 प्रतिशत से ज्यादा 41 विद्या-र्थियों ने अंक प्राप्त किये। सीबीएसई के कक्षा 12 वीं बोर्ड के परिणाम में एमडीएस स्कूल के कक्षा 12 वीं के छात्र शॉनिक जैन 98.20 के साथ साइंस में उदयपुर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अक्षत शुक्ला कृष्णा पूर्बिया 97.40 , अक्ष जैन 96.00, जयंत मालवी 95.80, ईशा कोठारी 95.80, आदित्य चैहान 95.00, सोमिल पितलिया 95.00, तनिश पोरवाल 95.00, हियांशु गुप्ता 95.00, ओजश यादव 95.00, मित परमार 94.80, दिव्यांश औदिच्य 94.80, वैभवी गोयल 94.80, अवि मेहता 94.60, गार्गी यादव 94.80, गुन्तेश सिंह 94.40, लक्ष्य धाकड़ 94.40, नाशेह अमीन सायरावाला 94.40, संयम हुमड़ 94.40, निखिल मेनारिया 94.40, शोर्य बाबेल 94.20, जय मिश्रा 94.20, कनूप्रिया व्यास 94.20, पलाश पोखरना 94.20, ग्रंथ कोठारी 94.00, एंजल सिंघवी 93.80, राघवेन्द्र सैनी 93.80, दिया झा 93.80, समयक हिरण 93.80, कृष्ण देव सिहं चुणडावत 93.80, रिचा सिंह 93.80, काव्या शाह 93.60, युवराज कुमावत 93.60, शहजाद कुरावर 93.40, चक्षिका गुप्ता 93.40, धुरवी भंडारी 93.20, निकश्य जैन 93.20, युग नाहर 93.20, ईशिता कलाल 93.20, काव्या जैन 92.80, विदित श्रीमाली 92.80, लक्ष्य जैन 92.60, रचित मिन्ड़ा 92.60, रितीक शर्मा 92.60, ईशाना चैधरी 92.60, प्रतिक जिंदल 92.60, अक्षत खुरदिया 92.40, सुलक्ष बड़ाला 92.40, कृतिज्ञा टाक 92.40, नंदिका भटनागर 92.40, अर्चित गोयल 92.20, मनिष मेघवाल 92.20, यश पंकज चैधरी 92.20, चिराग रंगवानी 92.20, दिशी पण्ड्या 92.20, नीवी जैन 92.20, अनमोल दाधीच 92.00, अभय गुरटू 91.80, पायल टाटावत 91.80, कनिष्का जैन 91.80, रोहन वया 91.60, प्रिशा खतरी 91.60, आदित्य शर्मा 91.60, लक्ष्य बापना 91.20, देव रंगवानी 91.20, जंयत धींग 91.00, अधवर भटनागर 90.80, युग पालीवाल 90.80, वर्षा मेघवाल 90.80, गर्वित संतवानी 90.80, नितिन लौहार 90.40, शिरिश अग्रवाल 90.00, मोहित कलवानी 90.00, ने प्रतिशत अंक प्राप्त कर रेडिएंट एकेडमी व परिवार का नाम रोशन किया। 10 वीं बोर्ड कक्षा के परिणाम में रेडिएंट एकेडमी कक्षा 10 वीं के विद्यार्थी काव्य कोठारी (98ः डीपीएस स्कूल), दर्शिता धींग (97.60ः सेंट मैरी स्कूल), कुशाग्र डागलिया (96.80ः एम.डी. एस टॉपर) परमवीर चुंडावत (96.66ः सेंट पॉल स्कूल टॉपर), प्रियल बोलिया (96.60ः विटट्री स्कूल टॉपर), हिया चम्पावत (96.60ः एम.डी.एस स्कूल), खुशाली पालीवाल (96.20ः एम.एम.पी.एस स्कूल टॉपर), मोक्षदा सिंघल (96.20ः), पीयूष मेघवाल (96.20ः), निहारिका सुपे (96.08ः) मुनिजा परवीन (96.04ः), आदि विद्यार्थियों ने उल्लेखनिय प्रदर्शन किया।

IG एस परिमला ने किया निरीक्षण

गढ़ी क्षेत्र में अवैध ढाबों और होटलों में अनैतिक गतिविधियों के साथ सड़क हादसे रोकने के निर्देश

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा । बांसवाड़ा रेंज आईजी एस परिमला मंगलवार को गढ़ी सीओ सर्किल का दौरा किया। यहां उन्होंने गढ़ी थाने में अरथूना, गढ़ी और लोहारिया थाना अधिकारियों की बैठक ली और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर दिशा निर्देश दिए। विशेष बात करें तो उन्होंने गढ़ी क्षेत्र में चल रहे अवैध ड्रग कारोबार, अवैध शराब के साथ यहां होटलों में चल रहे अनैतिक धंधों को बंद कराने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। इस दौरान एसपी हर्ष वर्धन अगरवाला भी मौजूद रहे। लगातार हो रहे सड़क हादसों को रोकने के लिए पूर्व में हुए सड़क हादसों के पीड़ितों के वीडियो बना कर स्कूल कॉलेज आदि में दिखने के निर्देश भी दिए ताकि इसको देखकर वाहन सावधानी से चलाने का सबक मिले।आईजी ने परतापुर चौकी में स्टाफ बढ़ाने नगर में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने आदि पर आश्वासन दिया।गौरतलब है कि परतापुर गढ़ी क्षेत्र में मुख्यमार्ग पर अतिक्रमण के चलते और तेज रफ्तार के कारण सड़क हादसे बढ़ते जा रहे हैं। जिस पर अंकुश लगाने की बड़ी आवश्यकता है। रोड पर कई जगह साइनेज भी नहीं लगाए गए हैं।

उदयपुर में भी हो सकता है मुंबई जैसा हादसा, कई जगह जर्जर इमारतों पर खड़े हैं यमदूत, बारिश से पहले सेफ्टी ऑडिट की जरूरत

24 न्यूज अपडेट

जहां तक नजर जा रही है होर्डिंग नजर आ रहे हैं। छतों, घरों, दीवारों और दुकानों के उपर से झांकते होर्डिंग। कुछा आड़े, कुछ तिरछे, कुछ छोटे कुछ मोटे। तो कुछ आसमान तक तने हुए विशाल होर्डिंग। बस नजर उठा कर दूर से देखते ही चले जाइये। ड्राइविंग करते हुए देखिये, पैदल चलते हुए देखिये, रिक्शा और बस में बैठे हुए देखिये। किसी पर स्कूल का विज्ञापन है तो कोई जुबां केसरी की बात कर रहा है। किसी होर्डिंग में नेताजी को जन्मदिन की बधाई है तो किसी में ऑफरों की भरमार। तो कोई देश के नंबर वन सीमेंट के बारे में बता रहा है। उदयपुर शहर की शायद ही ऐसी कोई सड़क हो जिस पर होर्डिंग नहीं लगे हों। यदि ऐसी कोई सड़क है तो यकीन जानिये, उस पर आज ही होर्डिंग लगने ही वाला होगा। इन होर्डिंग से नगर निगम को हर महीने मोटी कमाई हो रही है। मंजर खुशनुमा है मगर कल मुंबई में आए तूफान के बाद होर्डिंग और सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया हैं। मुंबई में जो होर्डिंग गिरा उसने 14 लोगों की जान ले ली, 74 लोग घायल हो गए। यह होर्डिंग 100 फीट ऊंचा और 250 टन वजन का जो तूफान के दौरान पेट्रोल पंप पर गिर गया। लोगों को संभलन का मौका ही नहीं मिला और मौत उनके उपर आकर गिर गई। मुंबई के इस हादसे के बाद आज 24 न्यूज अपडेट ने उदयपुर शहर के होर्डिंग का जायजा लिया तो कई चौंकाने वाली बातें सामने आईं। शहर के लगभग हर गली-चौराहे व नुक्कड़ पर बड़े-बड़े होर्डिंग मौत को दावत देते हुए नजर आ रहे हैं। इनकी लंबाई, चौड़ाई और उंचाई एक जैसी नहीं है। कई होर्डिंग ऐसी इमारतों पर लगे हैं जा जर्जर हो रही है तो कई होर्डिंग जिन खंभों पर टिके हुए हैं उनकी ईंटें नजर आ रही हैं। हम इस खबर के माध्यम से बड़ा सवाल उठा रहे हैं कि क्या इन होडिंग की कोई सेफ्टी ऑडिट की गई है। यदि की गई है तो कब, उसकी रिपोर्ट सावर्जनिक की जाए। क्या इनको लगाने के कोई स्टेण्डर्ड मानक हैं। क्या कोई सरकारी एजेंसी यह बता सकती है या प्रमाणित कर सकती है कि इन होर्डिंग में कितनी स्पीड के तूफान को सहन करने की क्षमता है। इनके गिरने की आपताकालीन स्थिति में ऐसे कौनसे उपाय है जिससे जनहानि को बचाया जा सकता है। इन प्रश्नों के उत्तर शायद किसी के पास नहीं है। एक्पर्ट्स का कहना है कि हर उंचे होर्डिंग के पास खतरे की चेतावनी लिखी होनी चाहिए। उसका वजन और उंचाई भी पता होनी चाहिए ताकि बारिश और तूफान के समय लोग उसके नीचे खड़े नहीं हों। इसके अलावा होर्डिंग को बनाने में काम में लिए गए सरिये और अन्य मेटेरियल की भी जांच होनी चाहिए। तीन दिन पहले उदयपुर में हवा के जोर से चेतक सर्कल, उदियापोल और सूर-जपोल पर होर्डिंग में लगे बैनर फटकर सड़क पर आ गिरे थे। क्या इसके लिए भी कोई नियम और पनिश-मेंट का प्रावधान नहीं होने चाहिए। राह चलते बैनर गिर जाए और कोई घायल हो जाए तो किसी को तो फर्क पड़ना चाहिए। मगर यहां ऐसा कुछ भी नहीं है। पहली बारिश में ही यह हाल हैं तो मानसून के दिनों में क्या होगा, इसका अंदाजा अभी से लगाया जा सकता है। दरअसल होर्डिंग आसमान में मंडराती मौत जैसे हो गए हैं। जगह-जगह से मौत झांक रही है। जाने कब किसकी किस्मत खराब हो और होर्डिंग सिर पर आ गिरे। इसे लेकर कोई जवाबदेही नजर नहीं आ रही है। ठोकर चौराहे पर दो साल पहले जहां बड़ा सा होर्डिंग फुटपाथ पर गिर गया था, अब वहां उससे भी उंचा होर्डिंग लग गया है। देहलीगेट पर बरसों पहले एक बीएड के छात्र की होर्डिंग का सरिया गिरने से हुई खौफनाक मौत का मंजर आज भी शहरवासी नहीं भूले हैं। ऐसे में जरूरत है कि तुरंत उंची इमारतों पर लगे होर्डिंग की सुरक्षा का ऑडिट कर जिला प्रशा-सन, निगम और यूडीए एक रिपोर्ट जारी करे ताकि शहरवासी अपनी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त हो सके। लोगों को भी चाहिए कि वे जन प्रतिनिधियों से यह आश्वासन लें कि उनकी लोकलिटी में लगे होर्डिंग की सुरक्षा की जिम्मेदारी उनकी रहेगी। यदि हादसा हुआ तो वही जिम्मेदार होंगे। फिर देखिये, उनमें कैसे जगता है सबकी सुरक्षा का भाव और होता है तुरंत एक्शन। उम्मीद है कि जिला प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेगा।

3 साल की बच्ची की श्वॉस नली में फंस गया था मक्के का दाना मुंह के रास्ते ऑपरेशन कर निकाला

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल के कान नाक एवं गला रोग विभाग के चिकित्सकों ने 3 साल के बच्ची की श्वास नली में फॅसे मक्के के दाने को निकाल कर उसे नया जीवन दिया। दरअसल मध्यप्रदेश के मंदसौर निवासी 3 बर्षीय बच्ची रियॉसी ने मक्के का दाना निगल लिया जो बच्ची की श्वास नली में फॅस गया। जिसके कारण उसे लगातार खांसी और सीने में दर्द के साथ साथ श्वास लेने में दिक्कत होने लगी। बच्चे की ऐसी स्थिति को देखतें हुए परिजन उसे तुरन्त पीएमसीएच की इमरजेन्सी में लेकर आए। इमर-जेन्सी में कान नाक एवं गला रोग विशेषज्ञ डॉ.शिव कौशिक ने तर्परता दिखाते हुए तुरन्त बच्चें की जॉच करने पर पता चला कि बच्ची के दोनो फेफडो के बीच में श्वास नली में कुछ बीज जैसा फॅसा हुआ है जिसकी बजद से उसे श्वास लेने में तकलीफ हो रही है। बच्ची का तुरन्त ऑपरेशन करना जरूरी था। चिकित्स-कों की टीम ने बिना समय गंवाए बच्ची की बॉन्कोस्कापी करने का निर्णय लिया एवं सफलता पूर्वक मक्के के दाने का निकाल लिया गया। इस सफल ऑपरेषन में कान,नाक एवं गला रोग विभाग के डॉ.एस.एस.कौशिक,डॉ.रिचा गुप्ता,डॉ.प्रकाष औदित्य,डॉ.समीर गोयल एवं टीम का सहयोग रहा। कान,नाक एवं गला रोग विशेषज्ञ डॉ.शिव कौशिक ने बताया कि आमतौर पर इस तरह की समस्या होने पर डॉक्टर ऑपरेशन कर उस चीज को बाहर निकाल देते हैं। लेकिन बच्चे की कम उम्र को देखते हुए ऐसा करना बिल्कुल भी संभव नहीं था। इसके बाद चिकित्सको की टीम ने बच्चे को बेहोश कर दूरबीन द्वारा उसके मुंह के रास्ते से श्वास नली के अन्दर फॅसे हुए मक्के के दाने को बाहर निकाला। डॉ.शिव कौशिक ने स्पष्ट किया कि अगर ऑपरेशन में अगर देरी हो जाती तो बच्ची की मक्के के दाने के फूलने के कारण श्वास नली के बन्द होने की बच्चें की जान भी जा सकती थी।

कोबरा काटने से 8 साल की मासूम बच्ची की मौत

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट राजसमंद। राजसमंद में ओड़ा ग्राम पंचायत के नारायण गंज गांव में कोबरा सांप के डसने से 8 साल की बच्ची अंशिता कुमावत की मौत हो गई। गांव में अंशिता (8) पुत्री रतन लाल कुमावत परिजनों के साथ सो रही थी कि अचानक सोमवार रात करीब 1 बजे अचानक रोने लगी। परिजन जाग गए और बच्ची को आरके हॉस्पीटल के लिए रवाना हुए। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही अंशिता ने दम तोड़ दिया। इस दौरान अंशिता को उल्टी हुई। बाद में पता चला कि सांप ने बच्ची के होठों पर काटा लिया जिससे अचानक जहर उसके शरीर में चला गया व उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बच्ची की मौत की खबर के बाद परिवार में मातम छा गया। बादें स्नेक केचर को बुलाकर सांप को पकड़ कर जंगल में छोड़ा गया। पता चला कि वह कोबरा सांप था।

गुरूजी पर 12वीं की छात्रा को भगाने का आरोप, गांव वालों ने स्कूल में की तालाबंदी, अपहरण का मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, राजस-मंद। आमेट थानाक्षेत्र के दोवड़ा स्कूल के अध्यापक इंद्रजीत सिंह पर अपनी शिष्या को ही भगा ले जाने का आरोप लगा है। परिजनों ने शिक्षक इंद्रजीत सिंह के खिलाफ आमेट थाने में अपहरण का मामला दर्ज करवाया है। जानकारी के अनुसार अध्यापक दो साल से दोवड़ा स्कूल में कार्यरत था। सोमवार को 12 वी क्लास पढ़ रही शिष्या को बहला फुसला कर भगा ले गया इसको लेकर परिवारजन ने सोमवार को आमेट थाने में रिपोर्ट भी दर्ज करवाई। लेकिन 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने पर गांव सहित आसपास के लोग आज स्कूल परिसर पहुंचे और तालाबंदी की। सभी ग्रामीणों की मांग है कि 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने पर भारी आक्रोश है। विद्यालय के मंदिर में पढ़ाए जाने वाले गुरु ही अगर इस तरह की हरकतों पर उतर जाए तो गुरु शब्द के ऊपर से लोगो का विश्वास ही उठ जाएगा। परिवारजन ने बताया कि जल्द से जल्द कार्रवाई कर लड़की को दस्तयाब करने की मांग की है।

फर्जी पुलिस बन इंस्टा-आईडी पर लिखा -मैं पुलिसवाला हूं, मुश्किल वक्त में भी मुस्कुराउंगा, याद करना तूफानी बारिश में भी सुरक्षा करने आउंगा, मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, सलूंबर। पुलिस की वर्दी, इंस्टाग्राम पर रील और तस्वीरों में पुलिसिया रौब, स्टेटस में लिखा मुश्किल वक्त में भी मुस्कराऊंगा,मुझे याद करना तूफानी बारिश में भी आपकी सुरक्षा के लिए आऊंगा। वर्दी में बाइक पर नगर भ्रमण। पुलिस बनने का यह ड्रामा कई दिनों से बढ़िया चल रहा था मगर कल अचानक एसपी साहब की नजरें इं-स्टाग्राम की आईडी पर पड़ गई तो वर्दी उतर गई, हेंकड़ी जाती रही और मामला दर्ज हो गया। बाद मे ंपता चला कि यह तो थाने का ही सफाई कर्मी है जो थाने की जीप, बाइक के साथ फोटो सेशन कर रहा है और सोशल मीडिया पर खुद को पुलिसवाले के रूप में पेश कर रहा है। घर की तलाशी में पुलिस की वर्दी और एक चोरी की बाइक मिली जिसे जब्त कर दिया गया। अब युवाओं के नाम संदेश दिया गया है कि ऐसा नहीं करें। यदि करेंगे तो अंजाम भी भुगतेंगे।

सोमवार को सलूंबर जिला पुलिस अधीक्षक ने संदिग्ध व अपराधियो की सोशल मीडिया प्लेटफार्म चेक कर रहे थे। अचानक राजस्थान पुलिस के नाम इंस्टाग्राम आई डी पर राजपुलिस 619 की बीजावर मीणा की आई ड़ी व प्रोफ़ाइल में पुलिस की वर्दी पहने फ़ोटो ओर स्टेटस मैं पुलिस वाला हूं, मुश्किल वक्त में भी मुस्कराऊंगा ,मुझे याद करना तूफानी बारिश में भी आपकी सुरक्षा के लिए आऊंगा । स्टेटस की आई डी नज़र आईं। यह माजरा देख जिला पुलिस अधीक्षक ने पोस्ट देखी तो पुलिस की वर्दी में अलग अलग फोटो ओर सलूम्बर थाने के बाहर व थाने की मोटर साइकिल व जीप के साथ फोटो व रिले देखी और कार्यवाही के तत्काल निर्देश दिये । इस्टाग्राम पर वर्दी में प्रोफ़ाइल , रिले व अन्य फ़ोटो देख एसपी अरशद अली एक्शन में आये और आरोपी की पहचान कर कार्यवाही के निर्देश दिये । आरोपी की पहचान खंगाली तो आरोपी सलूम्बर थाने में सफाई का कार्य करने वाला भवर लाल पुत्र मदन लाल ओड निवासी करगेटा सलूम्बर निकला। सोमवार देर शाम को सलूंबर थाना पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि भवर लाल नामक व्यक्ति रात को रोजाना पुलिस की वर्दी पहनकर मोटसा-इकिल लेकर घूमता है जो पुलिस कर्मी नही है । सूचना मिलते ही सलूंबर थाना पुलिस ने आरोपी के घर पहुची लेकिन आरोपी नही मिला । घर की तलाशी के दौरान बेग में पुलिस की वर्दी व अन्य कपड़े तथा एक सफेद कलर की अपाची मोटरसाइकिल बरामद की गई । आरोपी से बरामद मोटरसाइकिल प्रथम जांच के अनुसार चोरी की मोटरसाइकिल पाई गई है। जिसपर पटेल नाम का स्टीकर लगा हुआ हे। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश के बाद आरोपी के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू की गई तथा आरोपी की दिल पकड़ को लेकर टीम का गठन किया गया।

24 न्यूज अपडेट
देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरें को देखने के लिए
हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल
ताजा खबरें देखने के लिए
हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें
YouTube
24 NEWS UPDATE
हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें
लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।